Bandaru Dattatraya
Governor, Haryana

बंडारू दत्तात्रेय
राज्यपाल, हरियाणा

संदेश

मुझे यह जानकर अपार हर्ष हो रहा है कि वन विभाग हरियाणा राज्य में 73वां वन महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मना रहा है। वन और भारतीय संस्कृति में अटूट रिश्ता है। हमारी संस्कृति वनों, नदी, नालों और प्रकृति की गोद में पनपी है। हमारी संस्कृति में आज भी पीपल, तुलसी, नीम परिजात व शामी आदि वनस्पति को पूजा जाता है तथा उन्हें देव तुल्य माना जाता है।

हरियाणा राज्य की संस्कृति से रूबरू होकर मैंने पाया है कि यह राज्य पेड़–पौधों व वन्य जीवन के क्षेत्र में काफी धनी है। हरीतिमा से लदी शिवालिक की पहाड़ियां व विश्व की पुरानतम पर्वतमालाओं में से एक अरावली पर्वतमाला दुर्लभ हरियाली व जड़ी बूटियां संजोए हुए हैं।

मुझे यह जानकर अत्यंत खुशी हुई है कि कम वन क्षेत्र के चलते भी हरियाणा राज्य ''काष्ठ सरप्लस'' राज्य है तथा दूसरे राज्यों को भी लकड़ी देता है। इसका पूर्ण श्रेय हमारी वर्तमान सरकार को जाता है।

जहां एक ओर हरियाणा कृषि वानिकी के क्षेत्र में ''राष्ट्रीय नेता'' माना जाता है वहीं दूसरी ओर राज्य में वन एवं वन्य जीवन संरक्षण के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया जा रहा है। सफल गिद्ध प्रजनन कर हरियाणा राज्य को वन्य जीवन संरक्षण के क्षेत्र में विश्व मानचित्र पर खड़ा कर दिया है। उत्तम वासस्थल सुधार के चलते गत वर्ष हरियाणा की दो नभभूमियों–भिंडावास व सुल्तानपुर को ''रामसर साईट्स'' की सूची में स्थान मिला है। इसके चलते हरियाणा नभभूमियों के बेहतरीन प्रबंधन के क्षेत्र में भी विश्व मानचित्र पर आ गया है।

हरियाणा की जनता जन्मजात प्रकृति एवं वृक्ष प्रेमी है। यही कारण है कि कम वन क्षेत्र होने के चलते भी यह राज्य ''वुड सरप्लस'' राज्य है। यह हरियाणा सरकार की जन एवं किसान हितैषी नीतियों का परिणाम है। विभिन्न विभागों, संस्थाओं व आमजन को निःशुल्क पौधे उपलबध करवाकर हरियाणा सरकार अपनी जन हितैषी नीतियों का परिचय दे रही है।

मैं पर्यावरण सुधार के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य के लिए हरियाणा सरकार एवं वन विभाग की सराहना करता हूं और 73वें वन महोत्सव की सफलता की कामना करता हूं।

(बंडारू दत्तात्रेय)

हरियाणा राजभवन, चण्डीगढ़ - 160019
Haryana Raj Bhavan, Chandigarh - 160019
EPABX - 0172-2740581, 2740583
Fax - 0172-2740557
e-mail : governor@hry.nic.in

मनोहर लाल
MANOHAR LAL

सत्यमेव जयते

मुख्य मन्त्री, हरियाणा,
चण्डीगढ़।
CHIEF MINISTER, HARYANA,
CHANDIGARH.

Dated 27-06-2022

संदेश

यह बड़े हर्ष का विषय है कि हरियाणा प्रदेश में 73वां राज्य स्तरीय वन महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है। वनों का यह पावन उत्सव जनता को वनों के महत्व के बारे में जागरूक करने और पौधारोपण के बारे प्रेरित करने के लिए प्रति वर्ष मनाया जाता है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि वन धरती मां के हरे फेफड़े हैं। वन पर्यावरण को स्वस्थ, साफ व संतुलित रखकर मौसम को अनुकूल बनाते हैं। वे प्रदूषण के जहर को पीकर हमें शुद्ध हवा देते हैं। लेकिन जनसंख्या वृद्धि, बेतरतीब विकास तथा प्रदूषण के चलते हमारे पर्यावरण पर बुरा असर पड़ा है।

हरियाणा सरकार राज्य के लोगों को स्वच्छ व निर्मल वातावरण उपलब्ध करवाने के लिये प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार विकास व पर्यावरण सुधार के बीच बेहतरीन संगम स्थापित कर विकास के पथ पर निरन्तर अग्रसर है। इसी उद्देश्य से हमारी सरकार ने कई प्रभावी कदम उठाये हैं। हम जनगणना करते हैं, लेकिन धरती मां के सजग प्रहरी वृक्षों को शायद ही किसी ने गिना हो। हमारी सरकार इस वर्ष राज्य में वृक्षों की गणना करवा रही है।

राज्य को वन एवं पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना भी हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इसी कड़ी में कालका से कलेसर तक 150 किलोमीटर लम्बा प्रकृति दर्शन ट्रैक बनाने का निर्णय लिया गया है, जिस पर कार्य शुरू हो गया है। कोविड महामारी से सीख लेकर ज्यादा प्रदूषण वाले क्षेत्रों में पौधारोपण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इस वर्ष हरियाणा में दो करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अन्तर्गत सजावटी, सुगंधित, छायादार, चारे व इमारती लकड़ी की प्रजातियों पर विशेष बल दिया जाएगा। कृषि वानिकी पर भी बल दिया जा रहा है ताकि पर्यावरण सुधार के साथ–साथ किसान की आमदन भी बढ़े।

जोहड़ों को हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों की 'जीवन रेखा' कहा जाता है। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'अमृत सरोवर' अभियान की कड़ी में इस वर्ष जुलाई माह में हरियाणा के 22 जिलों के 2200 जोहड़ों में बड़, पीपल, नीम व पिलखन के पौधे एक दिन में ही रोपित किये जाएंगे।

मेरा प्रिय हरियाणावासियों से अनुरोध है कि इस वर्षा ऋतु में अपने घर–आंगन, खेत–खलिहान व जहां भी संभव हो, ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाएं तथा उनकी सुरक्षा के प्रबंध सुनिश्चित करें।

73वें वन महोत्सव के अवसर पर सभी हरियाणावासियों को मेरी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

मनोहर लाल

(मनोहर लाल)

Office : 4th Floor, Haryana Civil Secretariat, Chandigarh - 160001, Ph. 0172-2749396, 0172-2740995 (Fax)
Resi. : H.No. 1, Sector-3, Chandigarh - 160001, Ph. 0172-2749394, 0172-2740596 (Fax)
email : cmharyana@nic.in

कंवर पाल

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अ.स. पत्र क्रमांक Sr. Secy./EM/2022/46.

शिक्षा, वन, पर्यटन, संसदीय कार्य, कला एवं सांस्कृतिक मामले तथा सत्कार संगठन मंत्री, हरियाणा।

दिनांक, चण्डीगढ़ 28/06/2022

संदेश

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई है कि वन विभाग, हरियाणा 73वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव को मना रहा है। भारतीय परम्परा में मनाए जाने वाले उत्सवों में वृक्षों को समर्पित यह एक पर्व है।

मैं वन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ, जिनके संयुक्त प्रयासों से 73वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव को मनाने का कार्य किया गया है। वृक्ष हमारी सभ्यता और संस्कृति के रक्षक हैं जो हमें वृक्षों की पूजा करना सिखाती है। भारतीय संस्कृति में वनस्पति को ईश्वर के समान पूजनीय माना जाता है, जिसे हम अधिकांश घरों में तुलसी के रूप में देख सकते हैं।

मुझे बताया गया है कि इस वर्ष राज्य में दो करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है, जिनमें से करीब 70 लाख पौधे निःशुल्क बांटे जाऐंगे। इसके अलावा, जल शक्ति अभियान व पौधागिरी योजना के तहत अन्य विभागों को पौधे उपलब्ध करवाए जाएंगे। कलेसर से कालका तक डेढ़ सौ किलोमीटर लम्बे नेचर ट्रैक को विकसित किया जा रहा है ताकि प्रकृति दर्शन के साथ–साथ लोग सेहतमंद भी रह सकें।

हरियाणा प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के रग–रग में वन संस्कृति को बढ़ाने के उद्देश्य से वन विभाग, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'अमृत सरोवर' कार्यक्रम के तहत प्रदेश के 2200 जोहड़ों पर छायादार पौधे, पक्षियों को भोजन व वासस्थल देने वाली प्रजातियों का रोपण किया जा रहा है। प्रदेश को हरा–भरा बनाने और शहरों में प्रदूषण कम करने के लिए करनाल, पंचकूला, पलवल, गुरूग्राम व फरीदाबाद में नगर वन स्थापित करने हेतू पौधारोपण किया जा रहा है।

मैं पुनः 73वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ।

(कंवर पाल)

73 वां राज्य स्तरीय वन महोत्सव वन विभाग, हरियाणा

स्वच्छ पर्यावरण की और बढ़ते हरियाणा के कदम.....

- वृक्षों को मान–सम्मान स्वरूप राज्य में पहली बार जीवनदायिकी आक्सीजन पैदा करने वाले वृक्षों की गणना की जा रही है।
- इस वर्ष हरियाणा में दो करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य। इसमें से 40 लाख कृषि वानिकी के तहत, 29 लाख जल शक्ति अभियान के तहत, 19 लाख पौधगिरी स्कीम के तहत रोपित किये जाएंगे तथा 30 लाख पौधे हरियाणा की जनता को निःशुल्क उपलब्ध करवाए जाएंगे। बाकी के 82 लाख लाख अन्य स्कीमों के तहत राज्य में रोपित किए जाएंगे।
- कालका से कलेसर तक 150कि0मी0 सात दिवसीय नेचर ट्रेल का कार्य शुरू।
- आदरणीय मुख्यमंत्री हरियाणा के 'अमृत सरोवर' अभियान के तहत हरियाणा के 22 जिलों के 2200 जोहड़ों पर बड़, पीपल, नीम व पिलखन का पौधारोपण।
- नगरों व कस्बों में प्रदूषण रोकने के लिए सजावटी तथा छायादार वृक्षों पर जोर।
- कृषि वानिकी वृक्षारोपण पर विशेष बल ताकि राज्य का वन क्षेत्र बढ़े।
- वन्य जीवों के वासस्थल सुधार एवं अपने रहन–सहन पर विशेष ध्यान।
- हरियाणा सरकार के पर्यावरण सहयोगी नीति के चलते सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान व भिंडावास वन्य जीव विहार 'रामसर सूचि' में शामिल होकर हरियाणा को मिली अंतर्राष्ट्रीय ख्याति।
- कलेसर नेशनल पार्क में पहली बार 'मशरूम फोरे' (सर्वेक्षण) का हुआ आयोजन जिसमें 67 मशरूम प्रजातियों का पता चला।
- अरावली की पहाड़ियों में मनेठी (रेवाड़ी) में 'तितली सर्वेक्षण' किया गया। पहली बार 58 तितलियों की प्रजातियों की उपस्थिति का पता चला।

73वां राज्य स्तरीय वन महोत्सव का आयोजन दिनांक 19 जुलाई 2022 को सरस्वती विरासत स्थल, जिला कुरूक्षेत्र में प्रातः 11:00 बजे किया जाएगा। माननीय मुख्य मंत्री हरियाणा इस अवसर पर मुख्य अतिथि होंगे। वन एवं शिक्षा मंत्री हरियाणा समारोह की अध्यक्षता करेंगे। इस अवसर पर आप सादर आमंत्रित हैं।